न्यूज डायरी

फिनलैंड और स्वीडन के बाद अब बुल्गारिया से भी बढ़ा रूस का तनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बुल्गारिया। यूक्रेन से जारी रूस की जंग से बढ़ते तनाव का लगातार विस्तार हो रहा है। इस युद्ध के इर्द–गिर्द आने वाले कई दूसरे देशों से रूस का विवाद भी जारी है। इसी सूची में अब बुल्ग्गारिया भी शामिल हो गया है। यूक्रेन से जारी युद्ध से पैदा हुई स्थितियों के बीच बुल्गारिया सरकार ने राजधानी सोफिया में स्थित रूसी दूतावास को बंद कर दिया है। इस फैसले के बाद रविवार को बुल्गारिया स्थित रूसी दूतावास के 70 राजनयिक अपने परिवारों के साथ मास्को लौट गए। बुल्गारिया ने सोफिया में नियुक्त राजनयिकों को अवांछित करार देते हुए उन्हें देश से बाहर जाने के लिए कहा था। बुल्गारिया सरकार के फैसले के परिणामस्वरूप राजनयिक और उनके परिवार दो विमानों में सवार होकर रूस लौटे हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के काफिले पर हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में तालिबान के सदस्यों को लेकर जा रहे काफिले पर हमला करने का मामला सामने आया है। टोलो न्यूज ने ट्वीट कर बताया, अज्ञात लोगों ने हेरात शहर के केंद्र में तालिबान 207 अल–फारूक कार्प्स के सदस्यों को ले जा रही एक मिनीबस पर हमला कर दिया। टोलो न्यूज ने पश्तो में ट्वीट कर कहा, अज्ञात बंदूकधारियों ने पश्चिमी हेरात प्रांत में अल–फारूक कार्प्स के एक काफिले पर हमला कर दिया है। स्थानीय अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है, लेकिन उन्होंने सुरक्षा बलों के हताहत होने के बारे में नहीं बताया। हेरात पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद शाह रसूल ने कहा कि हमलावरों में से एक हमलावर मारा गया है। जबकि कई लोग घायल हो गए। मोहम्मद शाह रसूल ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह हेरात के चौथे पुलिस जिले में हुई जब अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वाहन पर हमला कर दिया।

पाकिस्तान में हज यात्रा करने के लिए भी लोग हो रहे परेशान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक ओर जहां आम लोगों को महंगाई समेत काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर अब वहां के लोगों को हज यात्रा करने में भी परेशानी उठानी पड़ रही है। अर्थव्यवस्था की भयावह स्थिति और देश की सरकार की अक्षमता अब जग जाहिर हो रही है। भारी हज पैकेजों के कारण देश की गठबंधन सरकार तीर्थयात्रियों को सब्सिडी प्रदान करने में विफल रह रही है। सब्सिडी नहीं मिलने से हज यात्रियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई तो इसके कारण यात्रा भी नहीं कर पा रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तानी तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब में वित्तीय चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा क्योंकि उन्हें हज सब्सिडी नहीं मिली। हज यात्रियों को अब तक सब्सिडी का एक हिस्सा भी नहीं मिला है। विशेष रूप से, देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तीर्थयात्रियों को कुल 150,000 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपया) सब्सिडी को मंजूरी दी थी।

महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने में नाकाम रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भले ही अपनी स्थापना के 100 साल पूरे होने का जश्न मना रही हो, लेकिन हकीकत यह है कि चीन में महिलाओं की स्थिति बेहद दयनीय है। उन्हें उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। श्द न्यूयार्क पोस्टश की रिपोर्ट के अनुसार, आठ बच्चों की मां, जो इस साल जनवरी में गर्दन से एक बाहरी शेड में जंजीर से बंधी हुई दिखाई दे रही थी, ने महिलाओं के साथ देश में हो रहे व्यवहार को लेकर तीखी प्रतिक्रया व्यक्त की। महिला की कहानी सार्वजनिक होने के बाद स्थानीय चीनी सरकार ने पांच विरोधाभासी बयान जारी किए। उसने गांव को तुरंत सील कर दिया, टिप्पणियों को शांत करा दिया और सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करने वाले नेटिजन्स को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अभी तक इस बात की जानकारी नहीं हो पाई है कि जंजीर से बंधी महिला आजाद है या नहीं।

तालिबानी सरकार की एक गलती उसे बड़ी भारी पड़ी

करीब 12 देशों में कई प्रमुख राष्ट्र थे तैयार

खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान आतंकियों के सत्ता में आए 11 महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक उन्हें मान्यता नहीं मिल पाई है। तालिबानी मंत्री दुनिया से गुहार लगा रहे हैं लेकिन दुनिया उन्हें अनसुना कर रही है। इस बीच अब खुलासा हुआ है कि इस साल मार्च महीने में पाकिस्तान समेत 12 देश तालिबान को मान्यता देने के लिए तैयार हो गए थे लेकिन तालिबानी सरकार की एक गलती की वजह से उन्होंने अपना फैसला टाल दिया। दरअसल, तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वादा किया था कि वह लड़कियों की शिक्षा समेत अपने अन्य वादों को पूरा करेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पाकिस्तान के अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने एक पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से कहा, तालिबान ने एक बड़े अवसर को खो दिया। करीब 10 से 12 देश मार्च महीने में सक्रिय रूप से तालिबान सरकार को मान्यता देने के लिए सक्रिय रूप से विचार कर रहे थे। इस पूरी प्रकिया में शामिल अधिकारी ने कहा कि तालिबान ने लड़कियों की शिक्षा समेत अन्य वादों को पूरा नहीं किया जिससे इनमें से कई देश अपनी योजना से पीछे हट गए।

तालिबान ने दुनिया को दिया धोखा, अब भुगत रहेः अधिकारी ने कहा कि न केवल पाकिस्तान बल्कि कई अहम देश तालिबान के शासन को औपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हो गए थे। उन्होंने कहा, अगर इन देशों ने तालिबान को मान्यता दे दी होती तो अन्य देश भी इसका अनुसरण करते। उन्होंने कहा कि इस अवसर को खोने के लिए तालिबान केवल जिम्मेदार हैं। तालिबान जब सत्ता में आए थे तब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वासन दिया था कि एक मिलीजुली सरकार बनेगी और अपनी जमीन का वे आतंकियों के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे।

तालिबान ने यह भी वादा किया था कि वह महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। तालिबान ने लड़कियों के लिए स्कूल भी नहीं खोला। यही वजह रही कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने तालिबान सरकार को मान्यता देने से हाथ खींच लिया। जून में पाकिस्तान के दौरे पर आए जर्मनी के विदेश मंत्री ने साफ कह दिया था कि तालिबान सरकार गलत दिशा में जा रही है। तालिबान सरकार को मान्यता नहीं मिलने से वह अपने लोगों को राहत नहीं दे पा रही है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने दोहा में अमेरिका के विशेष दूत से मुलाकात की थी और अफगान सेंट्रल बैंक की संपत्तियों को फिर से लौटाने का अनुरोध किया था। अमेरिका ने अभी कोई जवाब नहीं दिया है।

इमरान खान की पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने खोली पोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने अमेरिकी अधिकारी डोनाल्ड लू से गुपचुप माफी मांग ली है। यह वही अधिकारी हैं जिन पर इमरान खान ने अपनी सरकार को गिराने के लिए धमकी देने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इसका खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नई सरकार ने डोनाल्ड लू से माफी मांगने के सभी सबूत मिल गए हैं। ख्वाजा आफिस ने कहा कि इमरान खान की पार्टी के नेताओं ने अमेरिकी सरकार के साथ बैठक की है जहां उन्होंने यह माफी मांगी है। पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने कहा कि एक तरफ इमरान खान जनता के सामने अमेरिका के विरोध में नारे लगा रहे हैं, वहीं अब उनकी पार्टी अपनी गलतियों के लिए माफी मांग रही है।

आसिफ ने कहा कि इमरान खान ने अमेरिका को संदेश भेजा है कि वह चीजों को दुरुस्त करना चाहते हैं और सुपरपावर के साथ अपने अच्छे रिश्ते चाहते हैं। इमरान खान ने डोनाल्ड लू पर उनकी सरकार को गिराने की साजिश करने का आरोप लगाना शुरू कर दिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार अमेरिका के आदेशों का पालन कर रही है।

चंद्रमा पर कब्जा करना चाहता चीनी ड्रैगन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दक्षिण चीन सागर से लेकर लद्दाख तक दादागिरी दिखा रहे चीन के अंतरिक्ष में बढ़ते मंसूबे पर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख ने चेतावनी दी है। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा है कि चीन संभवतः चंद्रमा पर कब्जा करना चाहता है जो उसके सैन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम का हिस्सा है। नेल्सन ने कहा कि अमेरिका अब एक नई अंतरिक्ष रेस से निपट रहा है जो इस बार चीन के साथ है। इससे पहले अमेरिका की सोवियत संघ के साथ अंतरिक्ष में होड़ हुई थी जो यूएसएसआर के विघटन के बाद समाप्त हुई।

भारत–रूस की दोस्ती की मिसाल पहला ड्रोन फाइटर जेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को। भारत ने शुक्रवार को ऑटोनमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर का पहला फ्लाइट टेस्ट किया है। इस ड्रोन को भविष्य के फाइटर ड्रोन्स का लीडर करार दिया जा रहा है। इस ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत है इसमें लगा इंजन जो रूस में तैयार हुआ है। इसकी पहली सफल उड़ान के साथ ही, इसे भारत और रूस की दोस्ती की नई मिसाल करार दिया जा रहा है। भारत की सेनाओं के जो हथियार हैं उनमें रूस का योगदान सबसे ज्यादा है। अब इस ड्रोन के शामिल होने के बाद सेनाओं को नई ताकत मिल सकेगी।

ड्रोन में लगा इंजन बहुत ही ताकतवर

ड्रोन में एनपीओ सैटर्न AL–55 इंजान लगा है जिसे एक हाई परफॉर्मेंस वाला टर्बोफैन इंजन कहा जाता है।

अमेरिकी बॉम्बर जेट साः इस ड्रोन को बेंगलुरु स्थित एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट की तरफ से तैयार किया गया है। इस ड्रोन के सफल परीक्षण के बाद अहम और संवेदनशील मिलिट्री सिस्टम को शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है। ड्रोन की खासियत इसके फिक्स्ड विंग्स हैं जो इसे पारंपरिक एयरक्राफ्ट से अलग करते हैं। इसकी डिजाइन अमेरिका के खतरनाक बी–2 बॉम्बर जेट से मिलती जुलती है।

इस ड्रोन में लगा इंजन बहुत ही ताकतवर है। इसे एडवांस्ड ट्रेनर और लाइट अटैक हेलीकॉप्टर्स में भी प्रयोग किया जा चुका है। इस इंजन को हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के HJT–36 सितारा ट्रेनर जेट में भी प्रयोग किया जा चुका है। इसके अलावा घातक यूएवी में भी यही इंजन लगा है। सबसे बड़ी बात है कि इस ड्रोन के सफल होने के बाद भारत अब इसी तरह के ड्रोन तैयार कर सकेगा जिनमें रूस का इंजन लगा होगा। देश की सेनाओं के पास ज्य्यादातर हथियार ऐसे हैं जो रूस में बने हैं।

दुनिया का सबसे ताकतवर देश भी रहा था गुलाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। हर साल 4 जुलाई को अमेरिका अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। इस बार ये अमेरिका का 246वां स्वतंत्रता दिवस है। अब आप ये सुनकर चौंक सकते हैं कि दुनिया का सबसे ताकतवर देश जिसके पास सबसे ज्यादा हथियार हैं, वो भी गुलाम रहा है। जी हां, अमेरिका भी ब्रिटेन के अधीन रहा है और 4 जुलाई 1776 को उसने ब्रिटिश साम्राज्य से आजाद होने का ऐलान किया था। इसके साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका या यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका की स्थापना की गई थी। इस दिन पर देश में छुट्टी रहती है। इस मौके पर आमतौर पर आतिशबाजी होती है। पार्क में लोग पिकनिक मनाते हैं, कई तरह के गेम्स का आयोजन होता है। साथ ही राजनीतिक भाषण और कई दूसरी तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। ये दिन अमेरिका का राष्ट्रीय दिवस है। अमेरिका जिसे अंकल सैम के तौर पर भी जानते हैं, वो भी ब्रिटिश शासन का गुलाम रहा। ग्रेट ब्रिटेन से अलग होने का फैसला बहुत बड़ा फैसला था।